CPSCM

प्रमाण कार्यक्रम
शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन
(सी पी एस सी एम)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2025 और जनवरी 2026 सत्र के लिए

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि आपको **शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन** में प्रमाणपत्र कार्यक्रम से संबंधित कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है कि पाठ्यक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) करना होगा। इस पुस्तिका में **शांति अध्ययन और द्वंद प्रबंधन (सी पी एस सी एम)** प्रमाणपत्र कार्यक्रम के लिए सत्रीय कार्य सम्मिलित हैं।

सभी सत्रीय कार्यों को निर्धारित समय के भीतर जमा कराना अत्यंत आवश्यक है, ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें। सत्रीय कार्य करने से पहले, कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य (अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य) के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर भाग–विशेष के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखिए, सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

इसके साथ ही, सभी सत्रीय कार्यों को पूरा करके अपने **अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा कराएँ।** जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो, तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

मूल्यांकन के पश्चात् अध्ययन केन्द्र आपको सत्रीय कार्य वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केन्द्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरणः हल किए गए प्रश्नों को निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें।

सत्र	जमा करने की अंतिम तिथि	किसके पास जमा करें
जुलाई, 2025 के लिए	30 सितंबर, 2026	अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास जमा करें।
जनवरी, 2026 के लिए	31 मार्च, 2026	

शुभकामनाओं के साथ,

गाँधी और शांति अध्ययन केन्द्र

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

शांति और द्वंद पर भारतीय परिप्रेक्ष्य (BGP-002)
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः BGP-002
सत्रीय कार्य कोडः BGP-002/एएसएसटी/टीएमए/2025-26
अधिकतम अंकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

सत्रीय कार्य-I

1) भारतीय परंपरा में शांति के विचार के क्रमतर विकास का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए, शास्त्रीय ज्ञान से संतों के योगदान तक।

2) जाति और धर्म जैसी सामाजिक संरचनाओं और भारत में द्वंद के उद्भव के सम्बंध का विश्लेषण कीजिए।

3) द्वंद उद्भव में आर्थिक विषमताओं और हाशियाकरण (Morginalisation) की भूमिका की चर्चा कीजिए। भारत में असमानता को संबोधित करने में गांधीवादी दृष्टिकोण का मूल्यांकन कीजिए।

4) द्वंद के प्रति विभिन्न प्रक्रियाओं का परीक्षण कीजिए। द्वंद समाधान में उनके प्रभाव का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

5) भारत और एशिया में अंतर्राज्यीय और द्वंदों की प्रकृति, कारण और प्रारूपों का विश्लेषण कीजिए। वैश्विक और क्षेत्रिय कारकों का इन द्वंदों को दिशा देने में भूमिका की चर्चा कीजिए।

सत्रीय कार्य-II

निम्न प्रश्नों के प्रत्येक भाग पर 250 शब्दों पर एक संक्षिप्त लेख लिखिए।

6) अ) भारत में शांति आंदोलनों के क्रमतर विकास को रेखांकित कीजिए और समाज पर इनके प्रभाव का अवलोकन कीजिए।

   ब) शांति और अन्य सामाजिक आंदोलनों का अंतःसंबंध

7) अ) शांति और समरसता के प्रोत्साहन में परिवार और समुदाय की भूमिका

   ब) सामयिक भारत में परिवार और समुदायिक ढांचों की परिवर्तनशील प्रकृति

8) अ) भारत में शहरी–ग्रामीण विभाजन और द्वंद के लिए इसके निहितार्थ

   ब) जीवन की गुणवत्ता की अवधारणा और शांति के लिये शांति प्रासंगिकता

9) अ) द्वंद रोकने में प्राकृतिक संसाधनों तक पहुँच का महत्व

   ब) भारत में सतत् संसाधन प्रबंधन की चुनौतियाँ

10) अ) द्वंद समाधान में राज्य और कानून के नियम की भूमिका

   ब) शांति प्रोत्साहन में अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका